

प्रेषक,

अमरेन्द्र सिन्हा,  
प्रमुख सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

गन्ना एवं चीनी आयुक्त,  
उत्तराखण्ड, काशीपुर।

सहकारिता, गन्ना एवं चीनी अनुभाग-2

देहरादून दिनांक 3/ जुलाई, 2009

विषय:- वित्तीय वर्ष 2009-10 के गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग के अधिष्ठान हेतु आयोजनेत्तर पक्ष की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

वित्तीय वर्ष 2009-10 वित्तीय स्वीकृतियाँ निर्गत किये जाने विषयक प्रमुख सचिव, वित्त विभाग के पत्र संख्या-515/XXVII(1)/2009, दिनांक 28.07.2009 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2009-10 के लिए गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग के अधिष्ठान हेतु आयोजनेत्तर पक्ष के अन्तर्गत कुल धनराशि ₹0 4,70,98,000 (₹0 चार करोड़ सत्तर लाख अठानवे हजार मात्र) की वित्तीय स्वीकृति अधोलिखित शर्तों के अधीन श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित विवरणानुसार सहर्ष प्रदान करते हैं-

क्रम सं०	मद सं०	मानक मद	धनराशि (हजार ₹0 में)
1	01	पेहन	33400
2	02	मजदूरी	33
3	03	महगाई भत्ता	9148
4	04	यात्रा व्यय	267
5	05	स्थानान्तरण यात्रा व्यय	92
6	06	अन्य भत्ते	3674
7	09	विद्युत देय	117
8	13	टेलीफोन पर व्यय	67
9	15	गाड़ियों का अनुरक्षण और पेट्रोल आदि की खरीद	133
10	17	किराया, सप्लाय और कर-स्वामित्व	167
		कुल व्यय-	47,098

(₹0 चार करोड़ सत्तर लाख अठानवे हजार मात्र)

- 2- उक्त स्वीकृति वित्तीय वर्ष 2009-10 के लेखानुदान से गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग के अधिष्ठान हेतु आयोजनेतर पक्ष की वित्तीय स्वीकृति के शासनादेश संख्या 216/08/09/XIV-2/2009, दिनांक 31.03.2009 तथा कार्यालय ज्ञाप/संशोधन संख्या 285/XIV-2/2009, दिनांक 28.04.2009 के क्रम में जारी की जा रही है।
- 3- उक्त स्वीकृति इस शर्त के अधीन है कि निवर्तन पर रखी धनराशि को आहरण वितरण अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाए। आहरण वितरण अधिकारियों तथा कोषाधिकारियों को अवमुक्त धनराशियों का विवरण प्रत्येक माह वित्त विभाग को बी०एम० 17 पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
- 4- आहरण वितरण अधिकारी अपने स्तर से फॉट कर सूचित करें।
- 5- बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अधीन कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक के आधार पर आवंटित बजट की सीमा में प्रतिमाह 5 तारीख तक प्रपत्र बी०एम०-5 पर आहरण एवं वितरण अधिकारी पूर्व माह की सूचना विभागाध्यक्ष को तथा प्रपत्र-13 पर विलम्बतम 20 तारीख तक विभागाध्यक्ष द्वारा वित्त विभाग को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाए तथा आहरण एक मुश्त न करके आवश्यकतानुसार ही किया जाए।
- 6- धनराशि निर्धारित मद में ही व्यय की जाए एवं व्यय करते समय वित्त विभाग के मितव्ययता संबंधी आदेशों का पूर्णतः पालन किया जाए।

उक्त पर होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय व्ययक के अनुदान संख्या-17 के लेखाशीर्षक 2401-फसल कृषि कर्म, 108-वाणिज्यिक फसलें, 03-गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग का अधिष्ठान के अंतर्गत सुसंगत इकाईयों के नामें डाला जाएगा।

भवदीय,

(अमरेन्द्र सिन्हा)  
प्रमुख सचिव।

संख्या-599 (1)/08/09/XIV-2/2009 तदुदिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित -

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- जिलाधिकारी/कोषाधिकारी, हरिद्वार/देहरादून/उधमसिंहनगर/हल्द्वानी-नैनीताल।
- 3- सहायक गन्ना आयुक्त, हरिद्वार/देहरादून/उधमसिंहनगर/नैनीताल।
- 4- वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 6- बजट राजकोषीय नियोजन तथा संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 7- गार्ड फ़ाइली।

आज्ञा से,

31.7.09  
(विनोद शर्मा)  
अपर सचिव।